प्रथम वर्ष बी.ए.
सेमेस्टर–२
मुख्य एवम् प्रथम गौण : हिन्दी

प्रश्नपत्र –१ : (आधुनिक हिन्दी काव्य) भाग–२

प्रतिपाद्य :

हिन्दी साहित्य के छात्रों को सामाजिक सुधार एवम् राष्ट्रीय नवजागरण सम्बन्ध चेतना से अनुप्राणित स्वातंत्र्य पूर्व की हिन्दी काव्यधारा से भलीभाँति परिचित कराना तथा आधुनिकता की सारस्वत संकल्पना को इस हेतु परिभाषित करना प्रस्तुत प्रश्नपत्र का मौलिक प्रयोजन है ।

पाठय पुस्तक : 'शबरी'

नरेश महेता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

पाठयवस्तु :

युनीट – १ :	मैथिलीशरण गुप्त : व्यकितत्व एवम् कृतित्व ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – २ :	खण्डकाव्य विधा का स्वरुपगत अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ३ :	' शबरी ' का कथानक की दृष्टि से अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ४ :	' शबरी ' का अभिव्यकित कौशल के संदर्भ में अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४
युनीट – ५ :	' शबरी ' खण्डकाव्य का ससंदर्भ व्याख्या तथा टिप्पणी के संदर्भ में अध्यापन ।	कक्षा अध्यापन :९ घंटे, अंक: १४

प्रश्नपत्र का प्रारुप :

(१)	' शबरी ' खण्डकाव्य के सर्जक, विधा और रचना से संबंधित तीन आलोचनात्मक प्रश्न ।	(१४ × ३) = ४२
(२)	' शबरी ' खण्डकाव्य से किन्ही चार ससंदर्भो में से दो ससंदर्भ व्याख्या ।	(७ × २) = १४
(३)	' शबरी ' खण्डकाव्य में से किन्ही चार टिप्पणियों में से दो टिप्पणियाँ ।	(७ × २) = १४

सतत सर्वग्राही आंतरिक मूल्यांकन :

१.	स्वाध्याय (असाइमेन्ट) लेखन	१० अंक
२.	कक्षा में प्रस्तुति (सेमीनार)	१० अंक
३.	आंतरिक कसौटी	१० अंक

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक खण्डकाव्य में युग चेतना, एन. डी. पाटिल, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली ।
२. मैथिलीशरण गुप्त : व्यकितत्व और काव्य, डॉ. कमलकान्त पाठक , रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली ।
३. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन, डॉ. नगेन्द्र, मीनाश्री प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर ।
४. नई कविता नये कवि, विश्वम्भर 'मानव', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।